जो भी हारेगा तुझे निहारेगा | By Sardar Romi

उमरिया बीत गई तेरी दरबारी में
मज़ा आया मुझको तेरी दातारी में
बचा कुचा ये दास का जीवन कौन संवारेगा
तेरे होते हार गया तो किसे पुकारेगा
जो भी हारेगा तुझे निहारेगा

तेरे होते हार गया तो किसे पुकारेगा
जो भी हारेगा तुझे निहारेगा

अलग दाता देखी तेरी दातारी है
मेरा हर रोम प्रभु तेरा आभारी है
तेरे किये एहसान ये दाता कौन उतारेगा
तेरे होते हार गया तो किसे पुकारेगा
जो भी हारेगा तुझे निहारेगा

प्यार तुमसे ही किया प्यार फलते देखा
कठिन से कठिन घड़ी काम चलते देखा
तेरा बन के जिया जो जोगा में कभी ना हारेगा
तेरे होते हार गया तो किसे पुकारेगा
जो भी हारेगा तुझे निहारेगा

कहूं कैसे तुझको के मुझको क्या गम है
दिया जो पहले से प्रभु जी क्या कम है
सुख दु:ख में कोई दाता तुझको कैसे बिसारेगा
तेरे होते हार गया तो किसे पुकारेगा
जो भी हारेगा तुझे निहारेगा

समय जब अनितम हो मौत की आहट हो
मेरे सर के नीचे आपकी चौखट हो
स्वर्ग छोड़ चरणों में रोमी वक़्त गुज़ारेगा
तेरे होते हार गया तो किसे पुकारेगा
जो भी हारेगा तुझे निहारेगा

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9c%e0%a5%8b-%e0%a4%ad%e0%a5%80-%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%87%e0%a4%97%e0%a4%be-%e0%a4%a4%e0%a5%81%e0%a4%9d%e0%a5%87-%e0%a4%a8%e0%a4%bf%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%87%e0%a4%97/